कोवाला दलिल न0 7847

दिनांक - 17.10.47

1. कोवाला दाता - 1. श्री चिन्ती महताईन स्वामी चामारी महतो 2, श्री भोला महतो 3. श्री कुटिराम महतो पिता स्व0 पुद्दु महतो जाति तेलि पेशा खेती साकिम सारईढा परगना झरिया थाना चौकि साबरेजेष्टि धनबाद जिला मानभुम ।

2. कोवाला ग्रहिता - 1. बाबु प्रितम सिंह नागि 2. बाबु गिरीधारी लाल 3. बाबु देबी दास उभय पिता राम किशन जाति राजपुत पेशा व्यावसाय साकिम धनबाद परगना झरिया थाना चौकि साबरेजेष्टि धनबाद जिला मानभुम ।

3. आंशिक जमा युक्त बिक्रय कोवाला दलिल ।

बिक्रय सम्पत्ति का मुल्य 1100 टाका ।

जिला मानभुम चौकि साबरेजेष्टि धनबाद परगना झरिया थाना धनबाद सामिल सारईढा में रैयति जमिन मौजा सारईढा मौजा न0 8 खाता न0 73 प्लट न0 3245 रकवा 23 डि0 चौहदि उ0 - सडक द0 - पाचु महतो पू0 - पाचु महतो प0 - सडक ।

बिक्रय सम्पत्ति का सन प्रति खाजना 8 आना ।

मालिक जमिन राजा श्रीश्री कालि प्रसाद सिंह ।

साकिम झरिया, खेवट न0 1

बिक्रय कोवाला दलिल का विवरण यह है कि रूपया कि जरूरत पर तपशील सम्पत्ति बिक्रय करने के ईच्छा जताया और आप खरिदने के सहमति पूर्वक मुल्य 1100 रूपया में यह बिक्रय कोवाला दलिल द्वारा बिक्रय किया और निस्वतः हुए । 1/2

Scanned with CamScanner

आज दिनांक से बिक्रय सम्पत्ति मे जोभी हक दखल और अधिकार था वह उसी प्रकार आप और आपके वारिशगन का हुआ और भविष्य में किसी प्रकार दाबि दावा करने पर वह नामांजुर होगें ।

बिक्रय सम्पत्ति आज दिनांक से प्रजाविलि दानबिक्रय और नाना प्रकार हस्तान्तर आदि द्वारा आप और आपके वारिशगन का हुआ और सन प्रति खाजना मालिक जमिनदार को सन प्रति आदाय देकर हमारे नाम खारिज अनुसार आपने नाम पर दाखिला ग्रहण करेगें नाम दाखिल खारिज में जरुरत पर सहायता करुगाँ ।

बिक्रय सम्पत्ति मो जो ~~xxx~~ लाभ और अधिकार थ T वह उसी प्रकार आप और आपके वारिशगन का हुआ और में तथा मेरे वारिशगन बंचित हूए ।

बिक्रय सम्पत्ति इसके पहले किसी प्रकार दान या हस्तान्तर नही किए है और भविष्य में किसी प्रकार ऐसा प्रतित होने पर समुचित क्षति पूरण देगें ।

अतः मुल्य के रूपया ग्रहण किया और शांति पूर्वक और हाँसी खुशी में यह बिक्रय कोवाला दलिल सम्पादन किया बंगला सन

अंग्रेजी ता0 17. 10. 47.

प्रकाश में रहा कि अग्रिम 50 रूपया ग्रहण किए थे और आज दिनांक बाकि रूपया ~~xxx~~ 1050 रूपया ग्रहण किया ।

लेखक श्री हिरेन्द्र चन्द्र चटराज

गवाह श्री शंभु नाथ महतो, सारईढाा । धनबाद ।

Transcribed from Bengali to Hindi. by Rashmi N.K. Rashmi Court/Area/Dhanb 12.4.19

Scanned with CamScanner